वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 279 | शनिवार 4 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वसुंधरा राजे बोलीं- मैं भगवान भरोसे हूं...

बोलीं- 5 साल इतने कम होते हैं कि दौड़कर काम करो तो भी पूरे नहीं होते

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही सियासी सरगर्मियां भी तेज हो गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने कहा- कभी-कभी लोग मजाक करते हैं। वो मेरे से कहते हैं कि ये वसुंधरा राजे हमेशा भगवान के भरोसे है। मैं तो कहती हूं, हां मैं भगवान भरोसे हूं। हम पूरा घर सजाकर छोड़ते हैं। फीता काटने का काम कांग्रेस करती है। गौरतलब है कि यह वीडियो पिछले दिनों हैदराबाद में प्रवासी सम्मेलन के दौरान का है। इस वीडियो को आज राजे ने अपने फेसबुक अकाउंट पर शेयर किया है। वसुंधरा करीब चार महीने पहले हैदराबाद में भाजपा कार्यसमिति की बैठक में गई थीं, तभी बैठक से इतर राजस्थानियों का एक प्रवासी सम्मेलन हुआ था, उसी सम्मेलन में वसुंधरा ने यह बात कही थी।

दौड़कर काम करो तो भी 5 साल में पूरे काम नहीं होते

राजे ने कहा- मेरे से कोई पूछे की ये क्यों करते हो, दूसरी सरकारें तो करती नहीं है। आप तो आराम से चलो। मैं लोगों से कहती हूं, देखो किसी भी सरकार को काम करवाने के लिए 5-10 साल तो दो। 5 साल इतना शॉर्ट टर्म होता है कि दौड़-दौड़ कर भी काम करो तो उसे कंपलीट नहीं कर सकते। हम पूरा घर सजाकर छोड़ते हैं। फिर कांग्रेस आ जाती है। उसका मजा उठाती है। जो-जो काम हमने किए हैं, उसका फीता काटने का काम कांग्रेस करती है। वसुंधरा राजे ने कहा- अब तक जो भी काम हुआ है, वह सिर्फ भगवान के भरोसे से हुआ है। भगवान ने छप्पर खोलकर दिया है। आज राजस्थान के लोगों का जो प्यार है, वो ही हमारी पूंजी है। इस पूंजी के लिए चाहे हमें कितनी भी मेहनत करनी पड़े। चाहे खून क्यों न देना पड़े। वसुंधरा ने कहा कि यही प्यार है भाइयों, जिसके ऊपर हम दौड़ते हैं। इस प्यार के लिए हम लोग मरते हैं। ये सब को नहीं मिलता है। जब गांव में जाती हूं, बड़े बुजुर्ग सिर पर हाथ रख देते हैं। गाल पर हाथ फेरकर प्यार करते हैं। इससे बड़ी बात नहीं हो सकती। इसलिए जरूरी है कि हम मेहनत करते रहें।

400 कलाकारों की 1 हजार कलाकृतियों ने जीता दिल

जयपुर. कासं

राज्य के कला जगत में यदि पुरानी पीढ़ी का अनुभव और नई पीढ़ी का जोश एक साथ मिलकर कार्य करेगा तो राज्य में कला भविष्य उज्जवल हो सकेगा। इसके लिए राजस्थान ललित कला अकादमी को राजस्थान के हर जिले में कलाकारों के कम से कम पांच दिन के शिविर लगाए जाने चाहिए ताकि वरिष्ठ कलाकारों के अनुभवों का युवा कलाकारों को लाभ मिल सके। यह कहना था राजस्थान सरकार के कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला का। शुक्रवार को जेकेके में राजस्थान ललित कला अकादमी की ओर से तथा जवाहर कला केंद्र (जेकेके) की सहभागिता में शुरू हुए 23 वें कला मेले के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार के मेले के माहौल को देखकर ऐसा लग रहा है कि कलाकारों ने स्वयं यह मेला आयोजित किया है। इस अवसर पर राजस्थान लघु उद्योग निगम के चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने कहा कि इस बार के कला में मेले में राज्य के दिवंगत कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के तहत आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में समीक्षा बैठक आयोजित

पोषक अनाज के फायदे और उनके गुणों के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार की आवश्यकता: मुख्य सचिव

जयपुर. कासं

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि पोषक अनाज अच्छी सेहत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इसलिए हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में हमें इन्हें शामिल करना चाहिए। शर्मा शुक्रवार को शासन सचिवालय में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के तहत आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पोषक अनाज के फायदे और उनके गुणों के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार कर लोगों को जागरूक करें। बैठक में कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान में मिलेट्स के तहत बाजरा और ज्वार प्रमुख फसलें हैं। बाजरा उत्पादन में राजस्थान का देश भर

में प्रथम और ज्वार उत्पादन में तीसरा स्थान है तथा राज्य के दक्षिणी जिलों के जनजातीय क्षेत्रों में सावां,कांगनी, कोदों, कुटकी इत्यादि मिलेट्स की भी खेती होती है। उन्होंने बताया कि ज्वार और बाजरा मिलेट्स की खेती के लिए राज्य में बेहद अनुकूल जलवायु है,इनकी खेती के लिए पानी की कम आवश्यकता होती है तथा कीट एवं बीमारियों के प्रकोप से भी ये फसलें कम प्रभावित होती हैं। दिनेश कुमार ने मिलेटस के प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार की और किये गए प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2022-23 के बजट में राजस्थान मिलेटस मिशन की घोषणा की गई। खरीफ 2022 में बाजरा बीज के 8.32 लाख मिनी किट निःशुल्क वितरित किये गए। वहीं 5 करोड़ रुपए की लागत से मिलेटस उत्कृष्टता केंद्र जोधपुर में स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही 100 प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए 40 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

विश्व शांति महायज्ञ में युवा वर्ग दिव्य घोष का करेगा वादन

सुधा सागर महिला मंडल अशोक नगर ने ललितपुर में दी भव्य प्रस्तुति

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

कोई महान आत्मा ऊंचाई से नीचे आये तो समझ लेना किसी ना किसी का भला होने वाला है महान आत्माऐ जव कभी जगत में आये तो समझ लेना कि किसी का कल्याण होगा किसी की भक्ति की किस्मत खुलने वाला है कभी कभी किसी का पुण्य महान आत्माओं को भी नीचे झुका देता है कोई भी महापुरुष के संबध मे विचार किया जाता है उनके कोई भी क्रिया व बातों में संदेश छिपा रहता है जगत को जीना का संदेश देती है परमार्थ का ही उपदेश नही देता बल्कि संसार का भी उपदेश देती है संसार में नैमित्त के सहारे ही चलते हैं। उनका सब पुरुषार्थ निमित्त को देखकर होती हैं। कर्मों में मर्यादित कर्म अमर्यादित कर्म होते हैं,भोजन मर्यादित था लेकिन समय निकल जाने पर अमर्यादित हो जाता है अतीत का पुण्य हमारे लिए अभक्ष हैं इसलिए त्यागने योग्य है।दीक्षा पुण्य कर्म के पुण्य उदय से ऊब जायें पुण्य कर्म के उदय से उबकर जो दीक्षा लेते हैं उक्त आश्य केउद्गार शाही पंचकल्याणक महोत्सव ललितपुर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

पंचकल्याणक महोत्सव मे जैन युवा वर्ग देगा प्रस्तुति

जिले की सीमा पर स्थित ललितपुर में चल रहे शाही पंचकल्याणक महोत्सव के समापन पर होने वाले गजरथ महोत्सव में नगर की युवा समाजसेवी संस्था श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग अपने सदस्यों के साथ पहुंचकर दिव्य घोष का विशेष प्रदर्शन करेगा इस हेतु युवा वर्ग के अध्यक्ष सुलभ अखाई अंकित छाया सुभव कासल अंकित सन्तूरा सचिन एन एस मोहित मोहरी टिकंल जैन विट्टू खजूरिया को लेकर एक टीम सभी कार्य को सम्पन्न करेगी। अशोकनगर की सुधासागर महिला समिति ललितपुर जाकर भगवान के जन्म कल्याणक में भव्य प्रस्तुति दी ।समिति के 52 सदस्यों ने लेझिम और डांडिया खेल कर भगवान का जन्म कल्याणक बड़े उत्साह एवं धूमधाम से मनाया समिति के अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जैन के नेतृत्व में यह कार्य संपन्न हुआ साथ में समिति की मंत्री संगीता जैन पारस कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता जैन राजपुर उपाध्यक्ष रानी जैन पीरोठ एवं उपमंत्री अर्चना जैन पांड्या संयोजक डिंपल जैन ईशागढ़ का विशेष सहयोग रहा समिति की सभी सदस्यों ने भगवान के जन्म अभिषेक में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया समिति के करीब 52 सदस्यों ने सुधा सागर जी एवं सभी महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया बड़ों को सम्मानित करना चाहिए उन्होंने कहा कि बड़े लोंग खडे है हम बैठे है, हमारा पुरुषार्थ समाप्त हो जाता है बडें तुम्हारे आस आये और तुम आगे खडे नही हो पाये तो तुम्हारे पुण्य समाप्त हो जायेगा, किस्मत के भरोसे नही,भाग्य का सहारा नही पूर्व का पुण्य कुछ भी लाकर नहीं देगा अभी पुरुषार्थ करोगे तो वह पुण्य आपके काम आ जायेगा कर्म भूमि में वर्तमान की कमाई की मुख्यता दी जाती है इसलिए मोक्ष के रास्ते खुल जाते हैं हम अतीत के कर्म की अपेक्षा नहीं करेगें, पुण्य पाप के

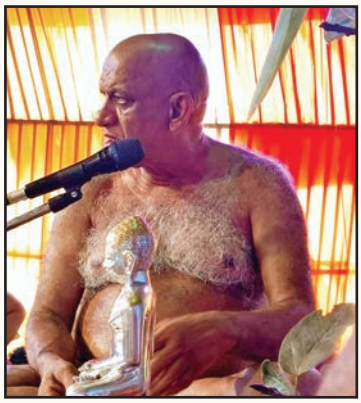

फल की अपेक्षा झोंड दो शुभ कर्म का उदय बासा है अशुभ हैं बासा खाने वालों को मोक्ष मार्ग वर्जित हैं।बासा अभक्ष है।सुख दुख को हमारे दिमाग से निकाल दो।

महा पुरुषो की बातों में सन्देश छिपा रहता है

उन्होंने कहा कि कोई भी महापुरुष के संबध मे विचार किया जाता है उनके कोई भी क्रिया व बातों में संदेश छिपा रहता है जगत को जीना का संदेश देती है परमार्थ का ही उपदेश नही देता बल्कि संसार का भी उपदेश देती है संसार में नैमित्त के सहारे ही चलते हैं। उनका सब पुरुषार्थ निमित्त को देखकर होती हैं।कर्मों में मर्यादित कर्म अमर्यादित कर्म होते हैं,भोजन मर्यादित था लेकिन समय निकल जाने पर अमर्यादित हो जाता है अतीत का पुण्य हमारे लिए अभक्ष हैं इसलिए त्यागने योग्य है।दीक्षा पुण्य कर्म के पुण्य उदय से ऊब जायें पुण्य कर्म के उदय से उबकर जो दीक्षा लेते हैं।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन (महिला शाखा) अजमेर जिला इकाई की सुनीता जिला अध्यक्ष व दीप्ति महासचिव मनोनीत

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन (महिला शाखा) राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष अल्का अग्रवाल एवं संगठन के जिला इकाई अजमेर के संरक्षक चांदकरण अग्रवाल की अनुशंसा पर प्रदेश महामंत्री पुष्पा अग्रवाल ने सुनीता बंसल को अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन (महिला शाखा) अजमेर जिला इकाई का जिला अध्यक्ष तथा दीप्ति गोयल को जिला महासचिव नियुक्त किया है।

उनकी नियुक्ति पर नीलू गुप्ता, माधुरी कंदोई, लेखा गर्ग, सरोज बंसल, खुशी बंसल, संगीता ऐरन आदि कई महिला कार्यकताओं ने खुशी व्यक्त की तथा प्रदेश पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया। प्रदेश अध्यक्ष अल्का अग्रवाल ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष एवं महासचिव को निर्देश दिया है कि वे जल्द से जल्द अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करे।

महावीर पब्लिक स्कूल मे काउंसलिंग का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल द्वारा कक्षा 9 व 11 के विद्यार्थियों के लिए साकारात्मक जीवन शैली पर प्रोफेसर रमेश अरोड़ा द्वारा काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। मानद मंत्री सुनील बक्शी ने बताया कि इस वर्कशॉप में विद्यालय के लगभग 500 विद्यार्थियों ने भाग लिया । महावीर पब्लिक स्कूल की प्राचार्य श्रीमती सीमा जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

तीर्थंकर का जन्म अंतिम जन्म होता है-जिनेश जैन

भव्य जन्माभिषेक जुलूस निकला, पांडुक शिला पर 1008 कलशों से अभिषेक हुए

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। जन्म तो सभी का होता है, किंतु हमारा जन्म जन्म कल्याणक नहीं होता क्योंकि हमारा जन्म मरण से लगा हुआ है। जन्म मरण का चक्र प्रत्येक प्राणी के साथ जुड़ा है। तीर्थंकर का जन्म अंतिम जन्म होता है। इस जन्म से उनका मरण नहीं, किंतु निर्वाण होगा। निर्वाण के वाद पुनः जन्म नहीं होता। इसीलिए तीर्थंकरों का जन्मकल्याणक मनाया जाता है। उक्त विचार अंबाह नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन ने ज्ञानतीर्थ पर तीर्थंकर बालक आदिकुमार के जन्मोत्सव पर व्यक्त किये। श्री ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान आज जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया । पांडुक शिला पर अम्बाह नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन प्रथम कलश से तीर्थंकर बालक अदिकुमार का जलाभिषेक किया। श्री मज्जिनेन्द्र जिनविम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के आज तीसरे दिन प्रातःकालीन शुभ बेला में तीर्थंकर बालक अदिकुमार का जन्म हुआ । जैसे ही बालक के जन्म का समाचार अयोध्या नगरवासियों को प्राप्त हुआ सभी खुशी से झूम उठे। मंचासीन पट्टाचार्य श्री विनीत सागर जी महाराज, सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण, गणिनी आर्यिका सृष्टीभूषण, गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण, गणिनी आर्यिका आर्षमति माताजी, आर्यिका अंतसमति माताजी, अक्षतमती माताजी, क्षुल्लक योगभूषण जी महाराज सहित सभी साधु-संतों श्री पंचकल्याणक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। महोत्सव की मुख्य निर्देशिका गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने तीर्थंकर के जन्म और निर्वाण के संदर्भ में सभी को अवगत कराया। आपने कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव में पुण्यशाली जीव सम्मिलित होते हैं। हम सभी को ऐसे आयोजनों की तन मन धन से अनुमोदना करना चाहिए । अन्य लोगो के साथ अनीता दीदी ने कार्यक्रम संचालन में सहयोग प्रदान किया । सराग क्षेत्र से आये हुए गुरुभक्तों ने हाथों में पंचरंगी ध्वजा लेकर चल रहे थे । वे अपनी स्थानीय मात्र भाषा में भजन गायन भी करते हुए नृत्य प्रस्तुत कर रहे थे। तीर्थंकर के जन्म के पश्चात सौधर्म इंद्र और शचि इंद्राणी बालक को ऐरावत हाथी पर लेकर पांडुक शिला पर पहुचें । वहा पर सभी साधर्मी बन्धुओं ने कलशों से जलाभिषेक किया । जन्माभिषेक चल समारोह में एक ऐरावत हाथी, तीन हाथी रथ ग्वालियर, आगरा, धोलपुर, मुरेना के 5 बैंड, डी जे, ढोल, 5 घोड़ा बग्घी, आदि जुलूस में संगीत की मधुर धुन विखेर रहे थे । महिलाएं केशरिया परिधान में भक्ति नृत्य एवं बालिकाएं अपने विशेष परिधान में डांडिया नृत्य कर चल रहीं थीं । पुरुष एवं युवा वर्ग भगवान की जय जयकार करते हुए चल रहे थे। जन्माभिषेक के दो किलोमीटर लम्वा जुलूस घरोना हनुमान मंदिर एबी रोड पर भ्रमण करता हुआ आयोजन स्थल अयोध्या नगरी पहुंचा। जन्माभिषेक की समस्त धार्मिक क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य जयकुमार निशांत, नितिन भैयाजी, मनीष भैयाजी द्वारा सम्पन्न कराई गई। पांडुक शिला पर 1008 कलशों से इन्द्रों द्वारा बालक अदिकुमार का अभिषेक किया गया। जिनेश जैन अम्बाह ने जैसे ही प्रथम कलश की धारा तीर्थंकर बालक पर प्रवाहित की चारों और हर्ष की लहर दौड़ गई। जय जयकारों से सम्पूर्ण ज्ञानतीर्थ गुंजायमान होने लगा । सभी भक्तों ने हर्ष ध्वनि से तालियां बजाकर खुशी व्यक्त की। जन्माभिषेक पांडुक शिला का उद्घाटन विजयकुमार, श्रीमती स्वाति जैन, आँचल जैन, ऋषभ जैन (गौरव होजरी) दिल्ली ने किया। द्वितीय कलशाभिषेक करने का सौभाग्य पवन जैन ऋषभ जैन मुरेना को प्राप्त हुआ ।

करण मिस्टर एकत्र और ध्रुवी मिस एकत्र बनी

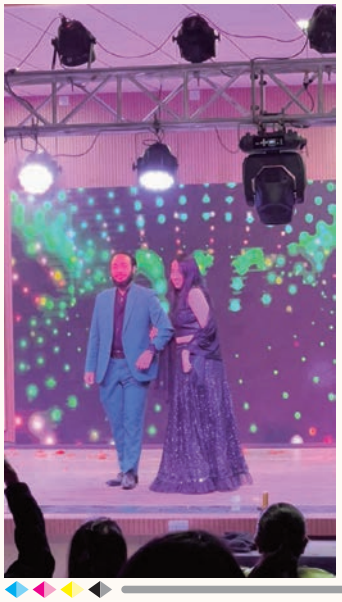

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि. के घटक एफएमएस कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय एकत्र-3.0 कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को हुआ। इससे पहले तीसरे दिन गीत, नृत्य, बॉलीवुड मेनिया,मिस्टर एण्ड मिस कार्यक्रमों की धूम मची रही। मुख्य अतिथि गजेन्द्र मेनारिया, विशिष्ठ अतिथि सुविवि रजिस्ट्रार छोगाराम देवासी, कॉलेज डारेक्टर मींरा माथुर, कोर्स निदेशक हनुमान प्रसाद, स्तृत्व फाउण्डेशन के हेड समी शेख उपस्थित थे। तरंग क्लब हेड हितार्थ गोठवाल ने बताया कि मिस्टर व मिस एकत्र प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भागीदारी निभाई। जिसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच करण अरोड़ा मिस्टर एकत्र एवं ध्रुवी जैन मिस एकत्र चुनी गयी। समारोह में इवेन्ट के टाइटल स्पॉन्सर डोर श्योर फिटनेस एवं एसोसिएट स्पॉन्सर वोल्टास मार्केटिंग सदस्यों सहित कई शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। **रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939**

यूडब्ल्यूसीसीआई का पहला महिला प्रतिभा पुरस्कार 2023 अगले माह

उदयपुर. शाबाश इंडिया। उदयपुर वूमन चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज (यूडब्ल्यूसीसीआई) आगामी माह 12 मार्च को उदयपुर संभाग उन महिलाओं को प्रतिभा पुरस्कार 2023 से सम्मानित करेगी जिन्होंने अपने व्यावसायिक कार्य में नवाचार और अनूठे प्रयोग के बूते आशातीत सफलता प्राप्त कर अपना, परिवार का और शहर का नाम देश दुनिया में रोशन किया है। संस्था अध्यक्ष डॉ. नीता मेहता ने शुक्रवार को हावर्ड एण्ड जॉनसन होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि इस समारोह में उन उद्यमी महिलाओं को सम्मान दिया जाएगा जिन्होंने व्यापार जगत में अपने कुशल नेतृत्व और व्यवसाय के दम पर अलहदा मुकाम हासिल किया है। साथ ही उन जैसी अन्य महिलाओं की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने का काम भी किया है। उन्होंने बताया कि ऐसी महिलाओं से ऑन लाइन मांगे गए आवेदन इस पुरस्कार के लिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी। जिसे कोई भी यूडब्ल्यूसीसीआई की वेबसाईट पर आसानी से कर सकती हैं।

वेद ज्ञान

काबिलियत को पहचानें...

संस्कृत के एक श्लोक का आशय है कि चलते रहो, चलते रहो। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने एक बंगाली देशभक्ति गीत में कहा था, 'एकला चलो रे' जिसका मतलब है आप अपनी मंजिल की तरफ अपने ढंग से आगे अकेले बढ़ते रहें। कहा जा सकता है कि जो बैठ जाता है उसकी तकदीर भी बैठ जाती है और जो उठकर चलने लगता है उसकी तकदीर भी उठकर खड़ी हो जाती है। जीवन के किसी भी मोड़ पर रुक जाना यानी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही सफलता की उम्मीद छोड़ देना है। ऐसा सिर्फ निराशावादी लोग ही करते हैं। जीवन में आगे बढ़ते रहना ही किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने का मूलमंत्र है। इसलिए हमें हर स्थिति में अपना काम करते हुए आगे बढ़ते जाना चाहिए। सफलता कोई पेड़ पर लगा फल नहीं है कि पेड़ पर चढ़े और तोड़ लिया। अपनी मेहनत के बलबूते पर ही सफलता हासिल की जा सकती है। इसके लिए हमें अपनी मेहनत पर भरोसा करना चाहिए। अनुशासन और कड़ी मेहनत ही सफलता का असली मार्ग है। यदि आप में यह हुनर है तो आपसे कोई चूक नहीं होगी। प्रकृति बहुत बड़ी शिक्षक है। हमें जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्राकृतिक चीजों पर दृष्टि डालनी चाहिए। पानी बहता रहता है तो साफ-स्वच्छ रहता है और रुक जाता है तो सड़ने लगता है। इसलिए जीवन को नदी के समान माना गया है जो निरंतर बहता रहे। नदी ही क्यों चांद, सितारे, सूर्य, पृथ्वी और ग्रह हरदम चलते रहते हैं। जीवन में चलते रहने के लिए हमें इन सबकी तरफ भी देखना चाहिए जो कभी रुकते ही नहीं। जो चलते जाते हैं उन्हें कभी थकान परेशान नहीं करती। कोई भी व्यक्ति संपूर्ण नहीं होता। सबमें कोई न कोई कमी अवश्य रहती है। इसलिए अपनी कमियों के बारे में जानकर यह स्वीकार करें कि आपमें भी कुछ कमियां हैं। कहा जाता है कि ईश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को इस संसार में किसी खास गुण के साथ भेजा है। जरूरत इस बात की है कि आप अपनी काबिलियत को पहचानें। अनुसरण का सिद्धांत प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक अरस्तू के जमाने से चला आ रहा है। हमें ऐसे लोगों का हरदम अनुसरण करना चाहिए जो जीवन में सफल हुए हैं।

संपादकीय

आर्थिक नाव फिर पकड़ सकती है रफ्तार

खासकर कोरोना के दौरान लगाई गई पूर्णबंदी ने समूची दुनिया के साथ-साथ भारत में भी आर्थिक स्थिति को किस कदर नुकसान पहुंचाया, यह जगजाहिर तथ्य है। लेकिन इस मुश्किल से निपटने के क्रम में भारत ने जिस इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया, उसका हासिल यह रहा कि बीते कुछ समय से अर्थव्यवस्था अब संभलने लगी है। बजट से पहले मंगलवार को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में वित्तमंत्री ने जो ब्योरा पेश किया, उससे यह उम्मीद जगी है कि आने वाले वक्त में ऐतिहासिक झटकों से उबर कर देश की आर्थिक नाव एक बार फिर रफ्तार पकड़ सकती है। मसलन, किसी भी देश की आर्थिक स्थिति पर गौर करने के लिए अर्थव्यवस्था की विकास दर को एक मुख्य संकेतक के रूप में देखा जाता है। इस लिहाज से देखें तो आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की अर्थव्यवस्था

की विकास दर 2023-24 में करीब साढ़े छह फीसद रहने का अनुमान है। हालांकि इस मामले में बीते एक साल के आंकड़े को देखते हुए साढ़े छह फीसद विकास दर का अनुमान निश्चित रूप से अपेक्षित गति से कम है, मगर इसके बावजूद उम्मीद जताई गई है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इसके अलावा, महंगाई की रफ्तार और उस पर काबू पाना एक सबसे बड़ी चुनौती बनी रही। इस समस्या की तीव्रता कायम रहने की एक बड़ी वजह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध भी रहा। लेकिन पिछले कुछ हफ्ते से खुदरा मुद्रास्फीति की दर में गिरावट और भारतीय रिजर्व बैंक की लक्ष्य सीमा के भीतर वापस आने के साथ महंगाई के मोर्चे पर काफी हद तक राहत देखी गई। इसके समांतर घरेलू अर्थव्यवस्था में खासी मजबूती की वजह से विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में एक बार फिर वापसी की उम्मीद जताई गई है। समीक्षा के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर महंगाई का स्तर उच्च बने रहने से चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है, इसलिए इस पर नजर रखने की जरूरत बनी रहेगी। फिर भी शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में जिस तरह कमी हो रही है, उसमें नए रोजगारों के सृजन की तस्वीर में भी तेजी से सुधार हुआ है। गौरतलब है कि एक ओर बेरोजगारी और दूसरी ओर महंगाई के संयोग ने न सिर्फ आम लोगों की जिंदगी को बेहद मुश्किल बना दिया, बल्कि इसने देश की अर्थव्यवस्था पर भी बेहद नकारात्मक असर डाला था। पिछले कई महीनों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की गिरती कीमत ने काफी चिंता पैदा की है। इस आर्थिक समीक्षा में भी कहा गया है कि दुनिया की अधिकांश मुद्राओं की तुलना में रुपए का प्रदर्शन बेहतर रहने के बावजूद अमेरिकी डालर के मुकाबले भारतीय मुद्रा के मूल्य में गिरावट की चुनौती बनी हुई है। दरअसल, महामारी के बाद पूर्णबंदी की वजह से सब कुछ ठप होने की स्थिति ने अर्थव्यवस्था पर जैसी चोट की थी, उसमें पिछले पूरे साल को उससे उबरने की कोशिशों के तौर पर देखा जा सकता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

ये कैसी नजर?

जब आस्था के प्रतीकों पर हमले कर जनाधार बढ़ाने के प्रयास किए जाते हैं, तो समाज पर उसके बहुत घातक असर नजर आते हैं। मगर शायद कुछ राजनेता यह विवेक भी खो चुके हैं। उत्तर प्रदेश में ओबीसी महासभा द्वारा रामचरित मानस के पन्ने जलाना इसका ताजा उदाहरण है। विचित्र है कि इसमें समाजवादी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता भी शामिल थे। अब इस मामले में दस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस कृत्य के पीछे की मंशा छिपी नहीं है। काफी समय से मानस की कुछ चौपाइयों को लेकर सवाल खड़े किए जाते और उन्हें समाज के हाशिये के लोगों के प्रति अपमान के रूप में प्रचारित किया जाता रहा है। लोक में उन चौपाइयों की अपने-अपने तरीके से व्याख्याएं भी होती रही हैं, मगर उनके आधार पर पूरे रामचरित मानस का अनादर करने का प्रयास कभी नहीं हुआ। दरअसल, मानस की एक चौपाई में 'नारी' और 'शूद्र' को लेकर अपमानजनक भाव ध्वनित होता है। उसी को आधार बना कर इन दोनों समुदायों के लोगों को अपने पक्ष में करने की राजनीतिक सोच पैदा हुई होगी। मगर ऐसी समझ को क्या कहा जाए कि एक या कुछ चौपाइयों के आधार पर लोक में स्थापित रामचरित मानस की प्रतिष्ठा को ही मटियामेट करने का कदम उठा लिया गया। हालांकि भारतीय समाज में किसी रचना में व्यक्त विचारों से असहमति की बहुत पुरानी परंपरा है। वेदों तक में व्यक्त सिद्धांतों की आलोचना होती रही है, जिससे अनेक दार्शनिक पद्धतियां विकसित हुई हैं। विचारों का संघर्ष कोई बुरी बात नहीं, मगर जब इस तरह किसी कृति को जला कर उसका विरोध किया जाता है, तो उससे ऐसा करने वालों की तंगनजरी ही जाहिर होती है। तुलसीदास का मानस आलोचनाओं से परे नहीं माना जा सकता। खुद तुलसी को अपने जीते-जी अनेक विद्वानों के वैचारिक प्रहार झेलने पड़े थे। मगर विचारों का जवाब विचारों से दिए जाने की अपेक्षा की जाती है, न कि उससे संबंधित कृति के दहन से। इससे यह भी जाहिर हुआ है कि जिन लोगों ने मानस की प्रतियों का दहन किया, उनके पास विरोध की वैचारिक क्षमता है ही नहीं। ऐसे लोगों का विरोध समाज में कोई स्थायी प्रभाव नहीं छोड़ता, उल्टा यही संदेश पुख्ता होता है कि ऐसे लोगों को नेतृत्व देना जोखिम भरा हो सकता है। मगर समाज को बांट कर अपनी राजनीति चमकाने वाले इतनी महीन रेखा को कहां पहचान पाते हैं। समाजवादी पार्टी का जनाधार एक खास जाति-वर्ग तक सिमटा हुआ है, इस तरह वह दलित वर्ग को लुभाने का प्रयास करना चाहती है। मगर मानस केवल एक साहित्यिक कृति नहीं है। अब वह लोगों की आस्था का ग्रंथ है। मांगलिक कार्यों में लोग श्रद्धा के साथ उसका अखंड पाठ रखते हैं। बहुत सारे लोग उसकी पूजा करते हैं। लोक में जितनी प्रतिष्ठा मानस की है, उतनी शायद ही किसी और ग्रंथ की है। इसलिए समाजवादी पार्टी के नेताओं द्वारा रामचरित मानस की प्रतियों के दहन से स्वाभाविक ही लोक मानस आहत हुआ है। इसमें समाजवादी पार्टी के बहुत सारे समर्थक भी शामिल हो सकते हैं, जो मानस को पवित्र ग्रंथ की तरह अपने घरों में रखते हैं। उसका निरादर करके समाजवादी पार्टी का जनाधार विस्तृत होना तो दूर, कमजोर अवश्य हो सकता है। जिस वरिष्ठ नेता ने मानस के पन्ने जलाए, वे पिछले विधानसभा चुनाव में ही भाजपा छोड़ कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे।

अमर जैन अस्पताल में डब्ल्यूएचसी डिजिटल हैल्थ कार्ड का लोकार्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर स्थित 150 बिस्तरों के मल्टी सुपर स्पेशियलिटी डब्ल्यूएचसी अमर जैन अस्पताल में बहुप्रतीक्षित डब्ल्यूएचसी डिजिटल हैल्थ कार्ड का लोकार्पण जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर ने किया। अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.के जी कुमावत ने बताया कि लोकार्पण समारोह में जयपुर ग्रेटर के होर्डिंग व नीलामी कमेटी के चैयरमैन पार्षद प्रवीण यादव, विश्व प्रसिद्र मोटिवेशनल स्पीकर व अस्पताल के चैयरमैन एस पी भारिल्ल, अस्पताल के डायरेक्टर व यूथ आइकॉन सर्वज्ञ भारिल्ल, डॉ.डी एन कल्ला,डॉ.राजेश शर्मा, डॉ.पी एस कुमावत,डॉ.अंशु सूद, डॉ.संकल्प शास्त्री, डॉ.मेघा शास्त्री, डॉ.देवेन्द्र शर्मा, डॉ.रिसिका अग्रवाल, डॉ. अनुकृति सुद, डॉ.राहुल शर्मा, डॉ.अभिनव गुप्ता, डॉ.महावीर टांक, डॉ.सिराजुद्दीन, डॉ.तनुज कुमावत, एस एन कुमावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर कुमावत ने बताया कि डिजिटल हैल्थ कार्ड से अस्पताल प्रबंधन की ओर से 30 हजार की सुविधाएं जैसे ओपीडी, आईपीडी, डायग्नोस्टिक व मेडिसिन आदि सुविधाएं दी गई है। इस मौके पर मेयर गुर्जर के आगृह पर 30 हजार मुल्य का यह कार्ड प्रथम 10 हजार लोगों को निःशुल्क दिया जाएगा। इस अवसर पर विश्व प्रसिद्र मोटिवेशनल स्पीकर व अस्पताल के चैयरमैन एस पी भारिल्ल ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए अस्पताल को स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी ईमानदारी की पहचान बनाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर एमडी कुमावत ने अस्पताल की विस्तारित सेवाओं व डायरेक्टर डॉ.शिवानी कुमावत ने अस्पताल की एक ओर सुविधा हॉस्पीटल एट होम की जानकारी दी। अस्पताल के डायरेक्टर व यूथ आइकॉन सर्वज्ञ भारिल्ल ने इस डिजिटल कार्ड को ज्यादा से ज्यादा लोगों से डाउनलोड करने की बात कही।

निःशुल्क नेत्र व स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

बारां. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल दिल्ली,जयपुर संभाग के द्वारा बारां जिला के ग्रामीण इलाकों में प्रायोजक राइट्स लिमिटेड, गुरग्राम (हरियाणा) के सहयोग से 15 चिकित्सा शिविरो का आयोजन ग्रामीण क्षेत्रो में किया जा रहा है। जयपुर संभाग के जोन चैयरमैन वीर राजेन्द्र जैन ताथेडिया ने बताया कि दशवा शिविर अंता कस्बे के जिला बारां में आज निःशुल्क नेत्र व स्वास्थ जांच का शिविर लगाया गया इसमें आंखों की जांच,स्त्री रोग जांच एवं जनरल मेडिकल जांच शिविर (मेडिकल कैम्प) का आयोजन किया गया । इसमें मुख्य अतिथि मुस्तफा खान अध्यक्ष नगर पालिका अंता ,पार्षद विनोद मेघवाल उपस्थित रहे । जोन सचिव वीर रविन्द्र यादव ने बताया कि शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ कोमल शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा.अमीना खान,फिजिशियन डा.दिनेश पांचाल चिकित्सक ने परामर्श व उपचार किया व निशुल्क दवाइया, नजर का चश्मा एवं बी. पी., शुगर व ई सी जी की जांच भी करवाई गई। जोन चेयरमैन वीर राजेन्द्र जैन ताथेडिया ने बताया कि इसमें संस्था के मूल उद्वेश्य सबको प्यार,सबकी सेवा के साथ निःशुल्क शिविर मे 223 मरीजों का पंजीकरण किया गया, जिसमे 190 नेत्र रोगी, 67 स्त्री रोग, 58 फिजिशियन 15 मोतियाबिन्द और 137 ब्लड प्रेशर और 109 शुगर के मरीज पहुचे टोटल ओपीडी 576 हुई और शिविर का मरीजों ने लाभ लिया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अतिवीर कोटा द्वारा बच्चों को स्पोर्ट्स शूज एवं खेल सामग्री भेंट की

कोटा. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अतिवीर कोटा द्वारा सुभाष चंद्र बोस राजकीय छात्रावास में रह रहे बच्चों को स्पोर्ट्स शूज एवं खेल सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर फेडरेशन कोटा रीजन के अध्यक्ष अनुराग सेठी,राष्ट्रीय अतिरिक्त संयुक्त महासचिव जे के जैन, शिक्षा विभाग कोटा के अधिकारी अजीत जैन,सरावगी समाज कोटा के अध्यक्ष अशोक पहाड़िया अतिवीर ग्रुप कोटा के संस्थापक अध्यक्ष महावीर शाह ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र लुहाडिया समेत ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित रहे। अंत ग्रुप अध्यक्ष राजकुमार लुहाडिया,कार्यध्यक्ष शुभम,कोषाध्यक्ष कमल जैन ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। **अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी**

राम नाम सुमिरन एवं प्रभु चरणों का ध्यान जीवन में सर्वसमस्याओं का समाधानः आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज

सद्गुरू रूठ जाए तो कोई नहीं कर पाएगा जीवन में रक्षा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सद्गुरू की कृपा से ही जीवन में आने वाले संकट एवं समस्याओं का समाधान होता है। सर्वसमस्याओं का समाधान रामनाम का सुमिरन एवं प्रभु चरणों का ध्यान है। स्वामी श्री रामचरण जी महाराज ने इस बारे में गहन चिंतन व्यक्त किया है। परमात्मा संसार में भेजने में समर्थ है लेकिन संसार से पार उतारने में सद्गुरू ही समर्थ है। सद्गुरू की कृपा से ही शिष्य उन्नति करता है एवं उसकी आभा निखरती है। इससे राष्ट्र व समाज की प्रगति में भी सहायता मिलती है। साधक के रामगुरू व सच्चाई के सम्मुख जाने पर जीवन का हर विध्न दूर हो जाता है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने शुक्रवार को स्वामी श्रीरामचरणजी महाप्रभु के 303वें प्राक्ट्य दिवस के अवसर पर माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा में दस दिवसीय विराट आध्यात्मिक सत्संग **''राष्ट्र पर्व से लेकर राम पर्व तक''** के नवें दिन व्यक्त किए। आध्यात्मिक सत्संग के समापन दिवस पर शनिवार को सुबह 9 बजे से स्वामी श्रीरामचरणजी महाराज का 303वां प्राकट्य महोत्सव आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज के सानिध्य में मनाया जाएगा। सत्संग में आचार्यश्री ने कहा कि सद्गुरू आंख के सामने है तो परमात्मा का साकार रूप हमे आराधना में मिलता है। सद्गुरू आंखों से ओझल होने पर वह निराकार हो जाता है। सद्गुरू सामने है तो आंख का विषय है ओर सामने नहीं होने पर हृदय का विषय है। सद्गुरू में भवसागर को पार कराने का सामर्थ्य है। हरि रूठ जाए तो सद्गुरू रक्षा कर सकता लेकिन सद्गुरू रूठ जाए तो रक्षा कोई नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि संसार में आने वाले को जाना ही पड़ेगा इससे कोई नहीं बच सकता। सांसारिक मोहमाया की इच्छा रखने की बजाय परमात्मा के दर्शन की इच्छा रखेंगे तो कल्याण होगा। जन्म-जन्मांतर से दुनिया देख रहे है एक बार भी ये बोल दे कि दुनिया बनाने वाले तुझे देखना चाहता हूं तो संसार में आना सार्थक हो जाएगा। परमात्मा ही सृष्टि का सजृनकर्ता व विसर्जनकर्ता है।

स्वामी रामचरणजी महाराज ने की भीलवाड़ा की धरती पावन

आचार्यश्री ने स्वामी रामचरणजी महाराज की जीवन महिमा बताते हुए कहा कि उन्होंने भीलवाड़ा की धरती एवं कण-कण को पावन किया। कुवाड़ा एवं शाहपुरा की तरफ भी उनके कदम पड़े। उनकी साधना के प्रताप से ही भीलवाड़ा आज मानव सेवा व भक्ति का केन्द्र बन गया है। उनके तपस्या के प्रताप से ही रामस्नेही हॉस्पिटल भी सेवा का मंदिर बन मानवता को समर्पित है। स्वामीश्रीजी ने जहां बैठ साधना की वहां सुमिरन चल रहा है और जहां भ्रमण किया वहां मानव सेवा चल रही है। मानव में दुर्जन प्रवृतियां समाप्त करनें एवं संसार के जहरीले वातावरण को अमृतमय बनाने के लिए स्वामी श्रीरामचरणजी महाराज का प्रादुर्भाव हुआ था। सद्गुरू के अलावा दुनिया में अमृत कोई प्रदान नहीं कर सकता।

नियमित करो वाणीजी का स्वाध्याय

आचार्यश्री ने स्वामी श्री रामचरण जी महाराज द्वारा वाणीजी में दिए गए दृष्टांतों को बार-बार पढ़ने का आग्रह करते हुए कहा कि वाणीजी का नियमित स्वाध्याय कर एक-एक शब्द को समझने का प्रयास किया जाए। ग्रंथ को पूरा पढ़ना लक्ष्य नहीं बल्कि अज्ञान की ग्रंथिया समाप्त हो जाने में सार्थकता है। कोई संशय, भ्रम जीवन में नहीं रहना चाहिए। राम नाम का जाप आनंददायी होने के साथ जन्म-मरण के बंधनों से मुक्ति दिला सकता है। इसकी साधना करने वाला खुद के साथ समाज व राष्ट्र का भी कल्याण करता है।

स्वामी श्रीरामचरण महाप्रभु के 303वें प्राकट्य महोत्सव के तहत विराट आध्यात्मिक सत्संग का समापन शनिवार को

धर्म के प्रति गंभीर नहीं होना विडंबना

आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने कहा कि ये विड़बना है कि लोग अपने धर्म के प्रति गंभीर नहीं है। उनके पास भजन सुनने के लिए समय नहीं होता है। हमें धर्म के लिए लोगों की संख्या नहीं गुणवत्ता ओर मजबूरी नहीं मजबूती चाहिए। हम अपने धर्म का पालना क्यों नहीं कर पा रहे इस पर चिंतन करें। हम अपने परिवार को जागृत नहीं कर पाए तो राष्ट्र व समाज को कैसे जागृत करेंगे। जिस राष्ट्र में हमने जन्म लिया उसके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। लोगों की आंखों में धूल झोंकी जा सकती पर भगवान को गुमराह नहीं कर सकते।

प्राकट्य दिवस की पूर्व संध्या पर 303 दीपक प्रज्वलित

स्वामी श्रीरामचरणजी महाराज के 303वें प्राकट्य दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार शाम माणिक्यनगर रामद्वारा में आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज के सानिध्य में श्रद्धालुओं द्वारा 303 दीपक प्रज्वलित किए गए। संध्या आरती का आयोजन भी हुआ। इस अवसर पर रामद्वारा में आकर्षक रोशनी भी की। रामस्नेही सम्प्रदाय के आद्याचार्य स्वामी श्रीरामचरणजी महाराज के प्राकट्य महोत्सव (जयंति) के अवसर पर विजयवर्गीय समाज एवं रामस्नेही भक्तों द्वारा सुबह 9 बजे प्राइवेट बस स्टेण्ड स्थित विजयवर्गीय भवन से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

150 विद्यार्थियों को जूते मौजे बांटे

जयपुर. शाबाश इंडिया

लॉयन्स क्लब जयपुर मेट्रो के समाजोपयोगी कार्यों के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीची में करीब 150 विद्यार्थियों को जूते मौजे का वितरण किया। लॉयन्स क्लब जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष निर्मल जैन ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रांत ई-1 के प्रांतपाल एमजेएफ लॉयन रोशन सेठी, पीएमसीसी लॉयन गोविन्द शर्मा थे। इस दौरान एमजेएफ लॉयन सुरेन्द्र जैन पांडया व रीजन चैयरपर्सन लॉयन मृदुला पांडया ने विद्यालय में इनवर्टर देने की घोषणा की। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्य सरला शर्मा ने सभी का सम्मान किया। अंत में क्लब अध्यक्ष ने सभी का आभार जताया।

Happy Anniversary

डॉ मनीष जैन-डॉ अलका जैन

4 फरवरी, 1999

4 फरवरी, 2023

को दाम्पत्य जीवन की 25 वी वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाईयां

आपके सुख - शांति और समृद्धि से भरे उज्जवल जीवन के लिए शुभकामनाओ सहित

शुभेच्छु

डॉ. एम . एल. जैन "मणि" - डॉ . शांति जैन

रितु - हिम्मत, श्रेय व हार्दिक एवं समस्त बडजात्या परिवार

Ambition Kids Academy

62/121, Pratap Nagar, Sheopur main road, Sanganer, Jaipur

Shashi Homeo Clinic

81, Shreeji Nagar, Hotal Royal orchid lane, Durgapura ,Jaipur

मुनि श्री भाव सागर जी ने कहा...

दान जीवन को सुरक्षित रखता है

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। राष्ट्रहित चिंतक आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के शिष्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज, मुनि श्री अनंत सागर जी महाराज, मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज, मुनि श्री भाव सागर जी महाराज का प्रवास इंदौर में चल रहा है। इसी कड़ी मे 3 फरवरी को श्री शांति नाथ दिगंबर जैन मंदिर गोयल नगर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री भाव सागर जी महाराज ने कहा कि प्रतिमा की महिमा अपरंपार है। गंदोधक की महिमा अपरंपार है। मुनि श्री विमल सागर जी महाराज ने कहा कि शांति धारा फ्री में नहीं करना चाहिए। जैसे डॉक्टर की फीस निश्चित होती है ऐसे ही होना चाहिए ,दान की महिमा गुरुओं के उपदेश से बतायी जा रही है ,दान के माध्यम से अपने जीवन को सुरक्षित तो रखते ही हैं लोगों को प्रेरणा भी मिलती है ,गुप्त दान से धर्म की प्रभावना नहीं होती है, खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है, लोग भी उसका अनुकरण करते हैं एक व्यक्ति ने बताया था कि शांति धारा मे दान लेने से अनंत गुना पुण्य मिलता है। प्रातःकाल अभिषेक, शांति धारा संपन्न हुई आचार्य श्री की पूजन हुई ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

संत-साध्वियों के किए दर्शन, वैरागन बहिनों का किया अभिनंदन

जैन कॉन्फ्रेंस की राजस्थान महिला अध्यक्ष का दिल्ली प्रवास

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा की प्रान्तीय अध्यक्ष श्रीमती नीता बाबेल जैन ने दिल्ली प्रवास के दौरान श्री एस.एस. जैन सभा इन्द्रपुरी के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में भाग लेकर संत-साध्वियों के दर्शन किए एवं संयम पथ अंगीकार करने जा रही दो वैरागन बहनों का अभिनंदन किया। बाबेल ने धर्मसभा में उद्बोधन देते हुए वहां मौजूद राष्ट्रसंत उत्तर भारतीय प्रवर्तक विद्या वाचस्पति पूज्य गुरूदेव श्री सुभद्रमुनिजी म.सा.,श्रमण संघीय उपाध्याय प्रवर पूज्य गुरूदेव श्रीरविन्द्रमुनिजी म.सा., नवकार साधक पंडित रत्न पूज्य श्रीविचक्षण मुनिजी म.सा., आदि संतों एवं उत्तर भारतीय प्रवर्तिनी श्रमणी सूर्या डॉ. श्री सरिताजी म.सा., उप प्रवर्तिनी श्री जितेन्द्रकुमारीजी म.सा. आदि साध्वी वृन्द के चरणों में वंदन नमन किया। उन्होंने वैरागन आत्मार्थी मुमुक्षु संयम पथ की पथिका उपलब्धि जैन एवं सुहानी जैन का अभिनंदन करते हुए कहा कि जिन शासन की सेवा एवं आत्मकल्याण के लक्ष्य से 5 फरवरी को संयम साधना का पथ अंगीकार करने जा रही मुमुक्षु बहनें हमारे धर्म-समाज के गौरव है। कर्मो की निर्जरा की जिस महान भावना से दीक्षा अंगीकार करने जा रहे है वह अनुमोदनीय है। उन्होंने जैन कॉन्फ्रेन्स की राजस्थान महिला शाखा की महामंत्री चंदा कोठारी जैन , कोषाध्यक्ष सुमित्रा सिंघवी जैन, सहकोषाध्यक्ष नीतू चोर्डिया जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजिया रानी डूंगरवाल जैन एवं समस्त सदस्यों की ओर से भी दोनों मुमुक्षु बहनों के उज्ज्वल संयम जीवन की कामना करती हुई हार्दिक अनुमोदना की।